



केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल मेमौरा

वातायन



विद्यालय पत्रिका

सत्र : 2020 - 2021

ईमेल: kvmemaura@gmail.com

फोन नं- 0522-2976722

मानसिक स्वास्थ्य : mwbs.kvafsmemaura@gmail.com



केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल मेमौरा लखनऊ

मुख्य संरक्षक
श्री डी के द्विवेदी
उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (क्षेत्रीय कार्यालय) लखनऊ

उप मुख्य संरक्षक
श्रीमती प्रीति सक्सेना
सहायक आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (क्षेत्रीय कार्यालय) लखनऊ

संरक्षक
ग्रुप कैप्टन ए पी सिंह शौर्य चक्र
अध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति

मार्गदर्शन एवं प्रेरणा
इन्दु पुरी
प्राचार्य

मुख्य संपादक
डॉ हिमांशु मिश्र, पी॰जी॰टी॰ (अंग्रेजी)

संपादक मंडल
डॉ. आलोक अवस्थी, टी. जी.टी. (संस्कृत)
श्री हरकेश गुप्ता, टी॰जी॰टी॰ (हिन्दी)
श्री संदीप सिंह, टी॰जी॰टी॰ (हिन्दी)
सुश्री पूजा त्रिपाठी, टी॰जी॰टी॰ (अंग्रेजी)
सुश्री शाजमा अंसारी, टी॰जी॰टी॰ (अंग्रेजी)

आवरण
कु. इल्मा (कक्षा 12-B)

साज-सज्जा एवं सॉफ्टवेयर कार्य
श्रीमती चंचल श्रीवास्तव, टी॰जी॰टी॰ (कला शिक्षण)
श्री विशाल यादव पी.जी.टी (कंप्यूटर साइंस)

From Principal's Desk.



Dear readers!

I feel a sense of pleasure and satisfaction in presenting the current issue of the school magazine (2020-21), Vatayan in the form of e-magazine before you. The students of this Vidyalaya are extremely privileged to be at this institution which is part of Kendriya Vidyalaya Sangathan, a pace-setting organization in the field of education. Our Vidyalaya has a team of well-qualified, dedicated teachers and good infrastructural facilities to cater to your academic needs from class 1 to 12. We also provide ample opportunities for participation in sports as well as extra-curricular activities for the all-round development of the personality. The Vidyalaya has been the alma mater for several doctors, engineers, scientists etc. in past and will continue to be so for future generations. We take pride that we groom you to become ethically and environmentally responsible citizens of the world. I hope you will make optimum use of your time here and enrich yourself in every way. You have my blessings in every endeavour. May each one of you be a trailblazer, setting shining examples for others to emulate.

Ever since the lockdown due to the outbreak of Covid19, our teachers have been actively engaged in carrying forward the academic transaction through online mode

Learning through the virtual medium has been really a great experience of late and we can say with ample amount of confidence that our school has moved automatically ahead with the academic calendar through the online medium.

Tests and assessments too have been conducted successfully through online mode and along with it, co-curricular activities and other national celebrations like Independence Day, Hindi Diwas, Ek Bharat Shreshth Bharat (EBSB), Fit India Week, National Sports Day, Gandhi Jayanti, National Unity Day, Bal Diwas, KVS Foundation Day, International Yoga Day (IDY), etc. too have been organized on the virtual and actual media both synchronically. Until further directions from the Govt. of India for partial or full-fledged reopening of school, we shall remain committed and connected to all our students and our valued stake-holders virtually for the progress and advancement of our school in the all the scholastic and co-scholastic spheres.

I would seek the magnanimity of our valued readers for any youthful error that might have crept in. Let us appreciate the brighter aspect of their creations.

Finally, I take this opportunity to solemnly thank GP CAPT A P SINGH SHAURYA CHAKRA, Station Commander AF Station, Memaura, Lucknow and ex-officio Chairman-VMC for his kind support and guidance. I, on behalf of the entire staff and students, express our gratitude to our chief patron and mentor Shri D.K. Dwivedi, Deputy Commissioner at KVS (RO), Lucknow. Also, I extend our heartfelt thanks to all the eminent members of the management committee, respected parents and all our honoured stakeholders.

With best wishes.

*Mrs. Indu Puri
Principal*



EDITORIAL

Dear readers!

Everyone amidst us is distinct and unique. Every creature is a creator in some measure; great or small. Creativity is life. Our young scholars are oozing with liveliness and fragrant ideas. It signifies our hope and faith in all the good things around us. What they need is some inkling, some inspiration and some ink to word that they feel. How wonderful it feels indeed to see our expressions finally on fragrant pages! No less than a reward.

We hardly really understand who we are; especially the writer in us. It is such a meaningful trade to deal with emotions, ideas, sciences, culture and philosophy.

Preparing, editing and producing the draft of this annual issue would not have been an easy task but for the contributions of our dear children and also, the relentless cooperation of the members of the editorial board.

Finally, I must thank the Principal Mrs. Indu Puri solemnly for her tireless and pioneering efforts. My sincerest thanks are due to the blossoming minds, worthy staff, the kind parents and the editorial bureau.

Dr. Himanshu Mishra
PGT- ENGLISH

उच्छ्वास

श्वास -निःश्वास
पल-पल अवरुद्ध होती
ग्रीवा से फेफड़ों तक,

आस्था-अनास्था....
क्षण - प्रतिक्षण खंडित होती
प्रशासन से अस्पताल तक,

मित्र -शत्रु
होते प्रति प्रहर उदासीन - निरुपाय
दिन, अगले दिन, सप्ताहान्त तक,

मूर्तिमान देवता - चिकित्सक.....
धीरे - धीरे बेबस होते जाते
रेडमेसिविर, आक्सीजन, वेंटीलेटर
तक,

चल - अचल संपत्ति.....
एक -एक कर दांव लगती
दवा, एम्बुलेन्स, श्मशान तक

किंतु कुछ मनुष्य
अनवरत हैं व्यस्त
लिप्सा, हिंसा और स्पर्द्धा में,
पर उधर, अगले ही क्षण--
रुग्ण-रक्तिम-प्रियमाण नेत्रों से झाँकते
लाशों में तब्दील होते लोगों की
लरजती - काँपती हुई सासों में
अनकहे- ठहरे हुए शब्द,
व्यर्थ चले जाते हैं ---
संवेदना के कानों पर

जुँ भी रेंगता नहीं,
हैं भाव और कर्तव्य सब शून्य ,
आपदा के कुअवसर में कोरोना
निरापदु हो तांडव करता
गांव -गांव, शहर- शहर !
हैं चतुर्दिक बिखरे असंख्य शरीर
मौन, शैय्या पर पड़े
प्रतीक्षारत, सफ़ेद लिबास में लिपट
कर
विलीन हो जाने को -
व्यवस्था के निर्मम राज-प्रासादों में
गूँजते
क्रूर अट्टहासों और
विरचित आंकड़ों के बीच !!

डॉ हिमांशु मिश्र,
पी जी टी (अंग्रेजी)

अपने सपने

कितना आसान होता है..
चलते चले जाना.... !
यदि केवल हम चलते हों ...
और बाकि सब रुका होता है.... !
मैंने अक्सर इस ऊल -जुलूल,
दुनिया को,
दस सिरों से सोचने ,
और 20 हाथों से पाना चाहा है ,
अपने लिए सब मुश्किल बना दिया..... !
शुरू मे सब चाहते है कि सब कुछ फिर से शुरू हो,
पर अंत तक पहुंचते सब हिम्मत हार जाते हैं !
हमें कोई दिलचस्पी नहीं होती
जानने में,कि वो सब कैसे समाप्त होता है,
जो इतनी धूम - धाम से शुरू हुआ था हमारे चाहने पे !
दुर्गम बनो, और ऊँचे पर्वतो को जीतते हुए,
और जब तुम अंतिम ऊंचाई को भी जीत लो,
जब तुम्हे लगेगा की कोई अंतर नहीं बचा,
तुममें और उन पत्थर की कठोरता में,
जिन्हे तुमने जीता है ।
तब तुम अपने मस्तक पर बर्फ का पहला तूफान झेलोगे,
और काँपोगे नहीं...
तब तुम पाओगे कोई फर्क नहीं, ...

मेकल भारद्वाज

12 अ

चिड़िया उड़ रही थी...

चिड़िया उड़ रही थी मुझे लगा ऐसा..
कि बन जाऊँ बस मैं उसके जैसा...!
मगर क्या करता उड़ नहीं सकता...
देखता चला गया कुछ कर नहीं सकता...!

सोचा था कि एक दिन भरूँगा उड़ान...
वक्त ने साथ ना दिया होना पड़ा कुर्बान...!
फिर क्या था बदल गई जिंदगी...
औरों ने समझा मुझे सिर्फ गंदगी...!

हार ना मानी सोचा शायद उड़ लूंगा...
किसी की दुआएं लगेंगी उड़ान भर दूंगा...!
आखिरी थी मंजिल की अब उड़ लूंगा...
अगर ना मिला वक्त तो मुड़ लूंगा...!

मुड़ने का तो कोई सवाल ना था...
वक्त ने साथ दिया खिलवाड़ ना था...!
सोचता ही रहा कुछ कर ना सका...
चिड़िया उड़ गई मगर मैं उड़ ना सका...!

अनुज सिंह चौहान

12-C

ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम

- अथर्व कुमार राय
9th - A

कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से पृथ्वी के औसत सतह तापमान में वृद्धि हुई है जिसे हम ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। वाहनों, कारखानों और विभिन्न अन्य स्रोतों द्वारा उत्सर्जित ये गैसों उस गर्मी को अपने अन्दर खपा लेती हैं जिसे पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर चले जाना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग ने पृथ्वी के वायुमंडल पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और आने वाले समय में वह इसे और भी प्रभावित कर सकती है। नीचे दिए गए निम्नलिखित बिन्दुओं में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की व्याख्या की गयी है:-

- 1. वर्षा के स्वरूप में बदलाव** पिछले कुछ दशकों से बरसात होने के तरीके में बहुत बदलाव आया है। कई क्षेत्रों में लगातार भारी वर्षा होने के कारण वहां बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है जबकि अन्य क्षेत्रों को सूखा का सामना करना पड़ता है। इस वजह से उन क्षेत्रों में लोगों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- 2. गर्म लहरों का बढ़ता प्रभाव** पृथ्वी की सतह के तापमान में वृद्धि के कारण गर्म तरंगों की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है। इसने सिरदर्द, लू लगने से बेहोश होना, चक्कर आना और यहां तक कि शरीर के प्रमुख अंगों को नुकसान पहुंचाने वाली जैसी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दिया है।
- 3. महासागरों पर प्रभाव और समुद्र के स्तर में वृद्धि** ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों की बर्फ पिघल रही है तथा महासागरों के पानी भी गरम हो रहा है जिससे समुद्र के पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे अप्रत्यक्ष रूप से तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया है। दूसरी तरफ, इन गैसों के अवशोषण के कारण महासागर अम्लीय होते जा रहे हैं और यह जलीय जीवन को बड़ा परेशान कर रहा है।

4. **बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं** ग्लोबल वार्मिंग के कारण स्वास्थ्य समस्याओं में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। हवा में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से साँस लेने की समस्याएं और फेफड़े के संक्रमण जैसी बीमारियाँ पनप रही है। इससे अस्थमा के रोगियों के लिए समस्या पैदा हो गई है। तेज़ गर्म हवाएं और बाढ़ भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में इज़ाफे का एक कारण है। बाढ़ के कारण अलग-अलग क्षेत्रों में जमा हुए पानी मच्छरों, मक्खियों और अन्य कीड़ों के लिए आदर्श प्रजनन स्थल है और इनके कारण होने वाले संक्रमणों से हम अच्छी तरह परिचित है।
5. **फसल का नुकसान** वर्षा होने के पैटर्न में गड़बड़ होने से न केवल लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है बल्कि उन क्षेत्रों में उगाई गई फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सूखा और भारी बारिश दोनों ही फसलों को नुकसान पहुँचा रहे हैं। ऐसी जलवायु परिस्थितियों के कारण कृषि भूमि बुरी तरह प्रभावित हुई है।
6. **जानवरों के विलुप्त होने का खतरा** ग्लोबल वार्मिंग के कारण न केवल मनुष्यों के जीवन में कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं बल्कि इसने विभिन्न जानवरों के लिए भी जीवन कठिन बना दिया है। मौसम की स्थितियों में होते परिवर्तन ने पशुओं की कई प्रजातियों का धरती पर अस्तित्व मुश्किल बना दिया है। कई पशुओं की प्रजातियाँ या तो विलुप्त हो चुकी है या फिर विलुप्त होने की क़गार पर खड़ी हैं।
7. **मौसम में होते बदलाव** ग्लोबल वार्मिंग से विभिन्न क्षेत्रों के मौसम में भारी बदलाव होने लगा है। भयंकर गर्मी पड़ना, तेज़ गति का तूफ़ान, तीव्र चक्रवात, सूखा, बेमौसम बरसात, बाढ़ आदि सब ग्लोबल वार्मिंग का ही परिणाम है।

निष्कर्ष ग्लोबल वार्मिंग बड़ी चिंता का विषय बन चुका है। अब सही समय आ चुका है कि मानव जाति इस तरफ ध्यान दे तथा इस मुद्दे को गंभीरता से ले। कार्बन उत्सर्जन में कमी से ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों को कम किया जा सकता है। इसलिए हम में से हर एक को अपने स्तर पर कार्य करने की जरूरत है जिससे ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों पर क़ाबू पाया जा सके।

वृक्षारोपण का महत्व

वृक्षारोपण का शाब्दिक अर्थ है। वृक्ष लगाकर उन्हें उगाना इसका प्रयोजन करना है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखना। मानव के जीवन को सुखी, समृद्ध व संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है। मानव सभ्यता का उदय तथा इसका आरंभिक आश्रय भी प्रकृति अर्थात् वन व्रक्ष ही रहे हैं। मानव को प्रारम्भ से प्रकृति द्वारा जो कुछ प्राप्त होता रहा है। उसे निरन्तर प्राप्त करते रहने के लिए वृक्षारोपण अती आवश्यक है।

मानव सभ्यता के उदय के आरंभिक समय में वह वनों में वृक्षों पर या उनसे ढकी कन्दराओं में ही रहा करता था। वह (मानव) वृक्षों से प्राप्त फल-फूल आदि खाकर या उसकी डालियों को हथियार के रूप में प्रयोग करके पशुओं को मारकर अपना पेट भरा करता था। वृक्षों की छाल की वस्त्रों के रूप में प्रयोग करता था। यहाँ तक कि ग्रन्थ आदि लिखने के लिए जिस सामग्री का प्रयोग किया जाता था। वे भोज-पत्र अर्थात् विशेष वृक्षों के पत्ते ही थे। वृक्ष वातावरण को शुद्ध व स्वच्छ बनाते हैं। इनकी जड़ें भूमि के कटाव को रोकती हैं। वृक्षों के पत्ते भूमि पर गिरकर सड़ जाते हैं। तथा ये मिट्टी में मिलकर खाद बन जाते हैं। और भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। मानव सभ्यता के विकास के साथ जब मानव ने गुफाओं से बाहर निकलकर झोपड़ियों का निर्माण आरंभ किया तो उसमें भी वृक्षों की शाखाएं व पत्ते ही काम आने लगे, आज भी जब कुर्सी, मेज, सोफा, सेंट, रेक, आदि का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। यह भी मुख्यतः लकड़ी से ही बनाए जाते हैं। अनेक प्रकार के फल-फूल और औषधियों भी वृक्षों से ही प्राप्त होती हैं। वर्षा जिससे हमें जल व पेय जल प्राप्त होते हैं वह भी प्रायः वृक्षों के अधिक होने पर ही निर्भर करती है। इसके विपरीत यदि हम वृक्ष-शून्य की स्थिति की कल्पना करें तो उस स्थिति में मानव तो क्या समुची जीव सृष्टि की दशा ही बिगड़ जाएगी। इस स्थिति से बचने के लिए वृक्षारोपण करना अत्यंत आवश्यक है। आजकल नगरों तथा महानगरों में छोटे-बड़े उद्योग-धंधों की बाढ़ से आती जा रही है। इनसे धुआं, तरह-तरह के विषैली गैसों आदि निकलकर वायुमंडल में फैल कर हमारे पर्यावरण में भर जाती है। पेड़ पौधे इन विषैली गैसों को वायुमंडल में फैलने से रोक कर पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकते हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारी यह धरती प्रदूषण रहित रहे तथा इस पर निवास करने वाला मानव सुखी व स्वस्थ बना रहे तो हमें पेड़-पौधों की रक्षा तथा उनके नवरोपण की ओर ध्यान देना चाहिए।

आराध्या पाण्डेय

9th -A

मेरे पापा

1. नसीब वाले होते हैं जिनके सर पर पिता का हाथ होता है ज़िद भी पूरी होती हैं अगर पिता का साथ होता है ।
2. मेरे अज़ीज हो आप मेरे सबसे अच्छे दोस्त हो आप, हर इच्छा पूरी करने वाले खुदा से बढ़कर हो पापा आप ..
3. मेरी दुनिया में आज जो इतनी दौलत शोहरत और इज्जत है वो मेरे पापा के बदौलत है...
4. मुझे नहीं पता ऊपर वाले ने तक्रदीर में क्या लिखा है जब मुस्कराते हैं पापा मुझे देखकर समझ जाती हूँ की मेरी तक्रदीर बुलंद है...
5. मेरी ख्वाहिश कबूल होती हैं क्योंकि पिता हरदम मेरे साथ होते हैं...
6. दुनिया में लाखो चलते हैं साथ में लेकिन मेरे जो हर सुख- दुख में साथ हैं, वो मेरे पिता है.....

पायल यादव

12 – (मानविकी)

पिता

वह अपने फर्ज़ निभाया करता था,
वह अपने माथे पर पसीने की बूंदों को छुपाया करता था।
नींद सुकून की बेटे को दे,
वह भूखा ही सो जाया करता था।

पहाड़ सी जरूरतों से दब जब,
थकान अपनी छुपाया करता था।
रोटी की तुलाश में वह
अपनी जवानी गंवाया करता था।

ख्वाब सजाए थे जो भी जो कभी,
अब किनारे किया करता था।
भविष्य बेटे का सँवारने की,
हजारों कोशिशों में जिया करता था।

धूप में खुद को बेहिसाब,
हर रोज जलाया करता था।
इंतजाम ठंडी छाँव का करने को,
वह खुद को ही तपाया करता था।

खयाल हर बात का जो कहने से,
पहले ही रख लिया करता था।
गिर जाए अगर बेटा तो संभलने का,
हुनर भी सिखाया करता था।

वह बाप था जो चोट एड़ियों की
, न किसी को दिखाया करता था।
क्योंकि फटे जूतों को वह,
अपने पैरों से छुपाया करता था।

- स्वाति यादव
12वी - (मानवीकि)

लोगों से मैं - दूर हूँ

लोगों से मैं, दूर हूँ
मुझसे ही मैं, भरपूर हूँ.....!
जला जो मैं आग में;
फिर भी, बना ना राख मैं.....!
ढला हूँ अब आकार में;
पंख पाए, किरदार में.....!
अब उड़ने को तैयार हूँ ;
मैं सरगर्मी पे सवार हूँ!
मैं जो भी था , बदल गया;
मैं हार कर, संभल गया.....!
शौर्य कूट - कूट कर भरा;
मैं मर के भी ना हूँ मरा.....!
जो हार के भी ही रहा;
ज़िंदा भी वही रहा.....।
अब ज़्यादा मुअसर हूँ ;
रोशनी की रफ़्तार हूँ!
अब चेहरे पर मुस्कान है;
मेरा वजूद, आत्मसम्मान है.....!
ज़िन्दगी ओ ज़िन्दगी;
देख मेरी सादगी...;
टूटकर तितर बितर;
किया नहीं अगर मगर.....!
जो लड़ चला , वो जीतेगा;
जो थक गया , वो मिटेगा.....!
करोगे कितना तंग रे ;
नहीं रहा अब दंग मैं.....!
शम्स है मेरे अंग में; बन गया स्वच्छंद मैं ।

अब आप ही दो ठिकाना मुझे

छोड़ बैठा है सारा जमाना मुझे,
नाथ अब आप ही दो ठिकाना मुझे।
पातकों की घटा घोर घमसान है,
और खल सिन्धु का बेग बलवान है।
काम मद क्रोध माया का तूफ़ान है,
देह जलयान का जीर्ण सामान है।
चाहते हैं मिलकर डुबाना मुझे ॥
नाथ अब आप ही दो ठिकाना मुझे।
क्या तुम्हें दीन गज ने पुकारा नहीं,
क्या दुखी था गिद्ध तुमको प्यारा नहीं।
क्या यवन पिंगला को उबारा नहीं,
क्या अजामिल अधम तुमने तारा नहीं।
फिर बताते हो क्यों कर बहाना मुझे ॥
नाथ अब आप ही दो ठिकाना मुझे।
किस के कदमों पर नीचा सिर मैं करूँ।
आह का किस के दिल पर असर मैं करूँ,
किसका घर है जिस पर मैं घर करूँ।
अश्रु के 'बिंदु' किसकी नज़र मैं करूँ,
आखिरी ये है विनती सुनाना मुझे ॥
नाथ अब आप ही दो ठिकाना मुझे।

तृप्ति द्विवेदी
12 वाणिज्य

अब इंसान को कोई काम नहीं

अब इंसान को कोई काम नहीं...!
उसे पैसो से आराम नहीं...!,
अब जीवन में कोई बदनाम नहीं...!
अब काम नहीं वो नाम नहीं...!,
अब परिश्रम ही नाम सही...!
जीवन में मेहनत का काम सही...!
मेहनत से परे हर चीज़ से दूर हम...!
धीरे -धीरे हो रहे मशहूर हम...!,

जो मेहनत का काम करते जाएँगे...!
भविष्य में अच्छा नाम कमाएँगे...!

मुस्कान वर्मा
12-C



SAVE WATER

Save the water, save the water
Water is boon, water is life
No one can live, without water,
Then why don't you be its savour.
Protect the lakes and river
Don't throw in these
Every drop is precious as our life
Let's join our hand and give high five
Water your plant at night
Use a pail, instead of pipe
Leaking should be repaired first
Then you will save water, have trust

Aayush Pandey
VI A

AMAZING MOTHER

**I Have An Amazing Mother
Who'll Never Make Me Bother,
That Although She Is Terrific In Math,
She Is Simply, terrified Of Rats !**

**She Is Like The Rising Morning Sun,
Who Is Simply Full Of Fun
Her Love For Me, as You See
Is More Than, anything To Be.**

**I Have An Amazing Mother
Who'll Never Make Me Bother.
Whenever She Cried,
She Cried Alone
Whenever I Cried
She Cried With Me.**

**Whenever I Said "Ma It's Important"
She Prayed For Me.
Whenever She Is Around Me
I Am Still A Little Child
Without A Care Of The World**

**I Have An Amazing Mother
Who'll Never Make Me Bother**

**N Subhiksha
VIII A**

SCHOOL LIFE : SAME IS DIFFERENT

School Life Is All About New Friends , Studying In The Best Way , Basics For Our Career . One Of The Most Memorizing Moments Are School Life .

We Always Thought That How Much We Wished To Get A Holiday But Now We Are Thinking Of It Again And Again That It Was Good If The Schools Open And No Problem If Holiday Is Not Available , Because We Are Not Having The Chance To Go To The School . This Is What School Is ! Full Of The Sweetest Things ! It Happened In All Of A Sudden , When A Disease Become A Storm For Almost All The Lives . It Didn't Cared That This Person Is Rich , This Person Is Poor , This Person Is A Personality And This Is A Normal Person . It Got Affected Everyone Including The Students, Teachers... Everyone But What The School Officials Do ? What The Country Should Do ? They Have To Save The People Only , Till They Can Resist.

I Am Sorry ! I Went To COVID- 19 In Brief... in Between ! But School Life Was One Of The Most Liked And Missing Things That Are Affected . The Lockdown And The COVID - 19 Gathering Made Everyone Sit In The Home . Students Who Thought The Worst Moment Of School Life Was Waking Up Early Was Now Eager To Give Up Anything... at Least To Have A One Day Visit To The School . There Was A Time When Friends Meet Each Other , Play Together And Even Quarrelled . They Can't Even Take A Hand From Each Other's Shoulder But Now No Touch . Faces Now Got Covered With A Cloth Which Was Formed To Resist Contact In Friendship And In COVID – 19 . Each And Everyone Treated The Other As An Alien Creature , Who Can't Be Touched But Can Get Rid By Sanitation

The 2018 Kerala Flood had once taught the selfish and caring people a lesson ! That time , when brought to the Flood Relief Camp , everyone found the lesson of what it says to care and share . But now this pandemic resisted sharing and caring ! In School , everyone shared the food and sometimes quarrelled...

not in a bad manner but in manner of naughtiness ! But what to do now ? We have to avoid contact of corona virus ! That's why , we can't share food . The Games Period was one of the awaited classes in the school . But now it is like "see the games video and that's it"! Teacher did become digital and , so students !

The 2018 Kerala Flood had once taught the selfish and caring people a lesson ! That time , when brought to the Flood Relief Camp , everyone found the lesson of what it says to care and share . But now this pandemic resisted sharing and caring ! In School , everyone shared the food and sometimes quarrelled...

not in a bad manner but in manner of naughtiness ! But what to do now ? We have to avoid contact of corona virus ! That's why , we can't share food . The Games Period was one of the awaited classes in the school . But now it is like "see the games video and that's it"! Teacher did become digital and , so students !

In School , almost all subjects was taught on blackboard but now we are studying in white board which is not so good . The excitement and worries when the exam result appears Vanished ! They had their worries as usual but because they are in there home , we are unable to see them . First...at a time , Mobile Phone was a craze and trend . The trend is continuing but the craze dimmed its lights. Sometimes when we are getting to any interesting chapter or an interesting point , a disturber knocks the door of the screen of the device , 'Mr. Network Problem' . 50% are the fans of Mr. Network Problem and 50% not !

But it benefited at the winter stress . In winter , fog , cold and all was something blocker for the whole day . We can remain in homes . Exams are now getting part of Google . Classes are getting part of Games . Books absolutely and completely turned into PDF format . If asked why you are not using the books , then the excuses are always ready – Mr. Lockdown ! Hackers are also there ! They are born as student and are easy to creep in the class ! Beware !! But whatever , it is One Pen , One Book , One students and One Teacher is enough to change the world whether it is online or offline .

So , this was what I said to share the comparison of real school life and the digital one ! I had also shared a memory comparison through my moments of the school life that is reminding me again and again during this lockdown . I had also included in negative points and that missing positivity ! The lockdown now dimmed the school life ! But however our teachers are getting the most risk ! They didn't left us ! They are still continuing to teach us ! Thus...In return...let's get dedicated to the studies !

I've always loved the first day of school better than the last day of school. Firsts are best because they are beginnings !

ANASWARA SAJEESH
9th - B

CHILD LABOUR



Child labour is the broad term under which we can fit the attempt to rob a child of their childhood. It snatches from the child their untapped potential and only harnesses very little of the energy that the child possesses. It is harmful to the child and stunts their mental as well as physical development. It surely scares the child for life. It is an immoral practice and tampers with the development process of the child. The child is left scarred for life. The amount of pressure it puts on them is unimaginable. The other children who work in the same facility are also subjected to tremendous violence and are kept in unfavourable conditions. Since they grow up looking at these atrocities, they become harmful acts too.

A large section of these child labourers is found to be of unsound mind when they grow up. Some of them may even turn out to be criminals. So the impact of living in such conditions is massive. The repercussions of being in such an environment are traumatizing, to say the least . It interferes with the proper education procedure that these children deserve to get. Their schooling is often stopped midway pushed into the harsh world the child finds it difficult to cope -the forms of child labour include any slavery-like bonded labour and the likes of it.

Child sexual also stems for such claustrophobic situations. The child labourers are often made to beg on the streets. The are trained for this in such a way that no one would be able to understand that they aren't actually beggars .These children are out in a harsh situations and often have to work in inhuman hours. They aren't given proper food and the payment is minimal too. Child labour has been banned in several countries. The Indian government has time and again tried to curb the extent of child labour but all to vain. This happens mostly due to the problems that household face

**KHUSHI TIWARI
9th - B**

RESPECTING ELDERS CAN DECREASE OLD AGE HOMES

what is this 'OLD AGE HOMES'? Is it a paradise...that has been increasing nowadays? Old people are there in more number than youths? WHY?

These old people are also parents...Isn't it? 'PARENTS'...this word doesn't conclude in seven letters. It has a boundary less meaning...That word stretches out like an ocean making new intersections. Parents are not the creatures of God. They are actually the God themselves. It is we the children, who are the creatures of the god. Because our parents have created us. Parents is the God who is visible to us. We often had heard and noticed that our parents had been taking care of us or at least getting worried at the times we had been in trouble even we are grown up as a child. They always loved us. They never felt shame to tell to anyone that we are actually their son or daughter. After all , why they should shame on us, if we grown up with good charater and antecedents. Isn't it ?

Do you think this is what today's generation actually think? No...Today most of the youths are thinking that it will be very shameful for them to tell that they are his / hers parents. Becoming old age is a natural process. That was not a problem or defect of our parents. All living organisms will obviously go through such a period if it lives to that particular age. Our parents must have tried the best to take care of us in the best way as possible. If they got angry on us...too...we don't have to react back in the same manner. We have to understand what they actually meant with that particular incident.

Children are what make them parents. Like what we think of having the best mom and dad , They also have dreams of making their child the best one in this whole world.

They tell us to Study a lot till we understand the concept. They say it because studying never get us into wrong way. We are acquiring knowledge more and more. Does it sense something bad? No to me. They want us to achieve a lot. If we achieve a job...definitely we are the ones who get its benefits. From our childhood...Our parents start the struggle to lead us to the right way. They always try to fulfill almost all of our wishes. They look after us in the best way as possible to them. Everything like education , food , and almost all facility to children to lead a better life. Even their income is not so better...but our wishes would always be in their mind and then they go and afford whatever we needed when their income is suitable. But the point is they never forget us or our wishes. They never expect anything back from us. They need our love and affection towards them during their old age or in sickness. They only expect love from their children in return. But to their surprise...Most of the people react in the opposite way. In return...like revenge they scold their parents for the silliest and the silliest things. Some people even deny food for their parents. Argue to them for the Ancestral lands and savings that had been passing from one generation to another generation.

These people also treat their parents as servants. At least , the domestic workers also get a particular wage. But these parents who were treated as servants didn't at least get a wage. Finally , These parents reach the 'OLD AGE HOMES'. But it is said that if we start to respect elders then the functioning of old age homes decrease. Because...as we start to respect...we start to know the value of them. We have got such valuable...parents. And they were trying to take care of us in the possible best way. So treat them back in the same way. And try to stop the Old Age Homes.

ANASWARA SAJEESH

9th-B

AMAZING FACTS ABOUT THE HUMAN BODY:

- Once you eat your food, it takes your body around 12 hours to fully digest it.
- Your brain contains around 100 billion nerve cells.
- Your heart beats around 1,00,000 (1 Lakh) times a day.
- The smallest bone in the human body is present in the middle part of the ear. It's called the stirrup and is only 2.8 mm (millimetres) long.
- Your mouth produces about 1 litre of saliva per day.
- Human teeth are just as strong as shark teeth.
- According to scientists, the human nose can detect and recognize three trillion different scents.
- A fully grown adult has 206 bones in their body, whereas a new born baby has 300 bones. Some of these bones fuse together as the baby grows.
- If spread out, the total surface area of adult lungs can be up to 75 square meters. This is the size of half a tennis court.
- You won't be able to taste food if it weren't for saliva, because our taste buds can only detect the taste of food once it's dissolved in a liquid.

KANDARP DUBEY
12th B

SAVE NATURE

Save The Nature

Save The Trees

Save The Coal And

Save The Petrol

Don't Make So Much Pollution.

Otherwise There Will Be No Solution.

Save The Nature, Save The Tree.

Shikha Pandey
10th 'A'

DREAMING BIG ENOUGH

Waking up dreaming about something you want very passionately is not a bad thing. One can dream about anything they want. Having dreams not simply means what you see while sleeping. It comes from within and you have to mold your thoughts accordingly. Dreams are not just the slideshow but the instances of your thoughts which you think all the time Do you think such famous people become famous because they because they decide the one day they want to? No, but they have dreams and they have followed their dreams which led them to follow the right path in their life which they ultimately want to become. All you need is a passion. When we dream big, we see a higher level of connection and ascension. To consider a big dream is to consider your potential as a powerful creator, and this is a really a good thing! Dreaming is a multi-step process. Although coming up with the idea of how you are going to spent your rest of life is important but acting upon that idea is half the battle. Your dream has nothing to do with what other people think of you. Other people want to see you as a doctor but you might be dreaming about becoming a painter. This is totally not wrong because you have the right of dreaming about everything, what your heart desires .A truly big dream is an ultimate manifestation. A big dream is your soul's way of reaching the highest vibration from this place in universe. If you know you are truly dreaming big enough, then your soul will let you dream manifest and your heart sing. “ When you reach for the stars you may not quite get one, but you won't come up with a handful of mud either.” -Leo Burnett

**RITU
9th - B**

ANNUAL THEMES AND MAJOR INITIATIVES AND ACCOMPLISHMENTS

For almost five decades, World Environment Day has been raising awareness, supporting action, and driving changes for the environment. Here is a timeline of key accomplishments in WEDs' history:

2005

The theme for the 2005 World Environment Day was

"Green Cities"

and the slogan was "Plant for the Planet!".

2006

The topic for WED 2006 was Deserts and Desertification and the slogan was

"Don't desert drylands".

The slogan emphasised the importance of protecting drylands. The main international celebrations of the World Environment Day 2006 were held in Algeria.

2007

The topic for World Environment Day for 2007 was

"Melting Ice – a Hot Topic?"

During International Polar Year, WED 2007 focused on the effects that climate change is having on polar ecosystems and communities, on other ice- and snow-covered areas of the world, and the resulting global impacts.

The main international celebrations of the WED 2007 were held in the city of Tromsø, Norway, a city north of the Arctic Circle.

Egypt issued a postage stamp for the 2007 World Environment Day.

2008

The host for World Environment Day 2008 was New Zealand, with the main international celebrations scheduled for Wellington. The slogan for 2008 was

"CO2, Kick the Habit! Towards a Low Carbon Economy."

New Zealand was one of the first countries to pledge to achieve carbon-neutrality, and will also focus on forest management as a tool for reducing greenhouse gases.

The Chicago Botanic Garden served as the North American host for World Environment Day on 5 June 2008.

2009

The theme for WED 2009 was

'Your Planet Needs You – UNite to Combat Climate Change',

and Michael Jackson's 'Earth Song' was declared 'World Environment Day Song'. It was hosted in Mexico.

2010

'Many Species. One Planet. One Future',

was the theme of 2010.

It celebrated the diversity of life on Earth as part of the 2010 International Year of Biodiversity. It was hosted in Rwanda. Thousands of activities were organized worldwide, with beach clean-ups, concerts, exhibits, film festivals, community events and much more. Each continent (except Antarctica) had a "regional host city", the U.N. chose Pittsburgh, Pennsylvania as the host for all North.

2011

The world environment day of 2011 was hosted by India. It was the 1st time for India to host the day. The theme for 2011 was '

Forests – Nature At Your Service'.

Thousands of activities were organized worldwide, with beach clean-ups, concerts, exhibits, film festivals, community events, tree plantings and much more.

2012

The theme for the 2012 World Environment Day was

Green Economy.

The theme aimed to invite people to examine their activities and lifestyle and see how the concept of a "Green Economy" fits into it. The host country for the year's celebrations was Brazil.

2013

The 2013 theme for World Environment Day was

Think. Eat. Save.

The campaign addressed the huge annual wastage and losses in food, which, if conserved, would release a large quantity of food as well as reduce the overall carbon footprint. The campaign aimed to bring about awareness in countries with lifestyles resulting in food wastage. It also aimed to empower people to make informed choices about the food they eat so as to reduce the overall ecological impact due to the worldwide production of food. The host country for the year's celebrations was Mongolia.

2014

The Theme of the 2014 WED was

International Year of Small Islands Developing States (SIDS).

By choosing this Theme the UN General Assembly aimed to highlight the development Challenges and successes of the SIDS. In 2014, the World Environment Day focused on global warming and its impact on ocean levels. The Slogan of the WED 2014 is "Raise your voice not the sea level", as Barbados hosted the global celebrations of the 42nd edition of the World Environment Day. The UN Environment Programme named actor Ian Somerhalder as the official Goodwill ambassador of the WED 2014.

2015

The Slogan of the 2015 edition of the World Environment Day is "Seven Billion Dreams. One Planet. Consume with Care".

The slogan was picked through a voting process on social media. In Saudi Arabia, 15 women recycled 2000 plastic bags to crochet a mural in support of the WED 2015. In India, Narendra Modi planted a Kadamb sapling to celebrate the World Environment Day and raise awareness for Environment. Italy is the host country of the 43rd edition of the WED. The celebrations took place as part of Milan Expo around the theme: Feeding the Planet – Energy for Life.

2016

The 2016 WED was organized under the theme "Go wild for life".

This edition of the WED aims to reduce and prevent the illegal trade in wildlife. Angola was chosen as the host country of the 2016 WED during the COP21 in Paris.

2017

The theme for 2017 was

'Connecting People to Nature – in the city and on the land, from the poles to the equator'.

The host nation was Canada.

2018

The theme for 2018 was
"Beat Plastic Pollution".

The host nation was India. By choosing this theme, it is hoped that people may strive to change their everyday lives to reduce the heavy burden of plastic pollution. People should be free from the over-reliance on single-use or disposables, as they have severe environmental consequences. We should liberate our natural places, our wildlife and our own health from plastics. The Indian government pledged to eliminate all single use of plastic in India by 2022.

2019

The theme for 2019 was
"Beat Air Pollution".

The host nation was China. This theme was chosen as air pollution kills about 7 million people annually.

In Reunion Island, Miss Earth 2018 Numen Phuong Khanna from Vietnam delivered her speech during World Environment Day with the theme "How to fight global warming".

2020

The theme for 2020 was
"Time for Nature",

and was hosted in Colombia in partnership with Germany.

Colombia is one of the largest megadiverse countries in the world and holds close to 10% of the planet's biodiversity. Since it is part of the Amazon rainforest, Colombia ranks first in bird and orchid species diversity and second in plants, butterflies, freshwater fish, and amphibians.

2021

The theme for 2021 is
"Ecosystem Restoration",

and will be hosted by Pakistan. On this occasion UN Decade of Ecosystem Restoration will also be launched.

Title of the Article:

Annual themes and major initiatives and accomplishments

YASH MISHRA
9th - B

WOMEN EMPOWERMENT

Women's empowerment (or female empowerment) is the process of empowering women.

[1] It may be defined in several ways, including accepting women's viewpoints or making an effort to seek them, raising the status of women through education, awareness, literacy, and training.

[2] Women's empowerment equips and allows women to make life-determining decisions through the different problems in society.

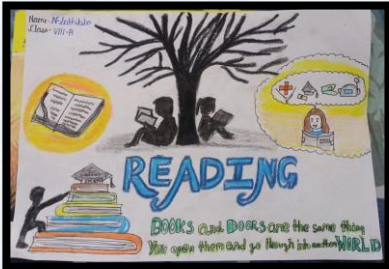
[3] They may have the opportunity to redefine gender roles or other such roles, which in turn may allow them more freedom to pursue desired goals

As empowerment has become a significant topic of discussion in development and economics. Economic empowerment allows women to control and benefit from resources, assets, and income. It also aids the ability to manage risk and improve women's well-being [4] It can result in approaches to support trivialized genders in a particular political or social context. While often interchangeably used, the more comprehensive concept of gender empowerment concerns people of any gender, stressing the distinction between biological and gender as a role. Women empowerment helps in boosting the status of women through literacy, education, training and awareness creation. Furthermore, women's empowerment refers to women' ability to make strategic life choices which had been previously denied them

ANKIT KUMAR MISHRA

9 - B

IMPORTANCE OF READING



Reading is important in the life of student. It plays a very crucial role in enhancing our knowledge and broadening our mind. Books are known to be our best friend .

They are true friends, who never leave us alone. Books are good source of knowledge a student must enhance the habit of reading books When we read books .we get morals if the story belongs to a person who is successful in life, we inspired from him ,if a person fail in his life we get experience, we learn how to face situation in life. Reading a good book takes you in a new world and helps you relieve your day to day stress. It has several positive effects on your mind, body and soul. Reading takes you to the world of imagination and enhances your creativity. While you read books you are building new and creative thoughts, images and opinions in your mind. It makes you think creatively, fantasize and use your imagination. The habit of reading is one of the best qualities that a person can possess. Books are known to be your best friend for a reason. So it is very important to develop a good reading habit. Reading a good book is the most enjoyable experience one can have.

"READING IS THE GATEWAY SKILL THAT MAKES ALL OTHER LEARNING POSSIBLE"



An illustration of a young girl with dark hair, wearing a pink sweater, sitting and reading an orange book. Behind her is a green chalkboard with white text. The text on the board reads: 'I AND CORONA' in large letters, followed by 'THE NEW WAY OF LEARNING' in smaller letters. To the right of the board, it says '-AKASHJEET' and 'VIII A'. The entire scene is set against a yellow background.

I AND CORONA

THE NEW WAY OF LEARNING

-AKASHJEET

VIII A

It was the day, I was going to do my final exams of class 6th, we were not aware of corona virus and when the corona virus also came to India. When there were 100 cases, government of India imposed lockdown. We were promoted to next class. We all were happy but also sad inside because we were not allowed to go outside. In new session teachers started online classes, it was completely new experience for me and my sister who study in class V. We had only 1 mobile and were missing classes. Then my father brought a PC for my study. I was very excited for unboxing it but it was corona time I sanitized it and opened it only after 7 days. It was really amazing as I have never done classes on computer.

During half yearly exams, we were allowed to come to school. It was really excited to go to school and meet my friends but my friends didn't come to school. Then we shifted from Chandigarh to AFS Memaura and I got admission in KVS Memaura. I make friends and continued online classes.

I like the offline classes because there are many problems in online classes like network problem, human interactions and intra personal relation etc. In offline classes we study, eat, play and most important we all discuss our problems together. In this time of corona virus many people have lost their lives and many struggling and fighting to corona virus. I pray to god that the corona virus vaccines are available to everybody as soon as possible. So I say in the last that don't go to crowded places, follow the WHO guide lines on COVID protocol and Stay home, Stay safe.

Saloni Singh KV AFS Memaura

Game- JUDO 🥋



ISHTUTI DUBEY
CLASS 11-A
KV AFS Memaura

Class-11 A
No of female achievers-01
Session 2020-21
Name of the student - Ishnuti Dubey
Secured *2nd position in debate competition (Regional level) held virtually at KV RDSO ,Lucknow .
Topic – Online education (V/S face to face education (in favour of face to face education) Date of competition – 12 October 2020

14/02



PRIDE OF SCHOOL



International kick boxing championship tal katora Stadium new delhi



Tamanna Class 9-B KV AFS Memaura



1st Prize In Painting Competition organised by CSIR LUCKNOW

ILMA
11-B
KV AFS MEMAURA



KENDRIYA VIDYALAYA AFS MEMAURA LUCKNOW



KAARTIKAY SINGH

9th-A

Position: Top 3 winner in
QUIZ COMPETITION

THEME

Physical Geography & Famous Personalities

केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल, मेमौरा, लखनऊ के छात्र कार्तिकेय सिंह कक्षा 9-A ने भारत सरकार द्वारा आयोजित नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत "गंगा क्वेस्ट" प्रतियोगिता में सर्वोच्च तीन स्थानों में अपना स्थान बनाया व पुरस्कार में एक मेडल, टी-शर्ट व ₹ 2500/- नकद प्राप्त किये।





KENDRIYA VIDYALAYA AFS MEMAURA LUCKNOW
LUCKNOW REGION



Presents....

E-MAGAZINE

"एक भारत श्रेष्ठ भारत"

"EK BHARAT SHRESHTH BHARAT"

Know Your Partnering State

MEGHALAYA



केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल मेमोरा
KENDRIYA VIDYALAYA AFS MEMAURA LUCKNOW



"एक भारत श्रेष्ठ भारत"



CHIEF PATRON
Mr. A. K. GAWDE
DEPUTY COMMISSIONER
KVS RIO LUCKNOW



MEMBER
Mr. N. K. S. PAL
PRINCIPAL
KV MEMAURA, LUCKNOW



PATRON
Mrs. PREETI SAXENA
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS RIO LUCKNOW

ACTIVITY INCHARGE : Ms. RASHMI SIDDHARTH (PGT HISTORY)

MEMBERS : Mr. N. K. S. PAL (PGT GEOGRAPHY)

Mr. A. H. KHAN (PGT COMMERCE)

Mr. KRISHAN KUMAR (TGT S.S.E.)

MAGAZINE COMPOSED BY : Mrs. CHANCHAL SRIVASTAVA (TGT ART ED.)



KENDRIYA VIDYALAYA AFS MEMAURA LUCKNOW
LUCKNOW REGION



"EK BHARAT SHRESHTH BHARAT"

From The Desk Of Principal,

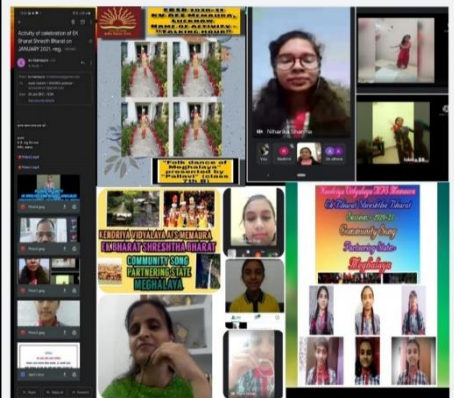


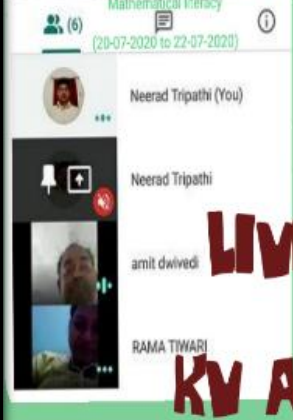
Mrs. Indu Puri
Principal

The Fantastic Feature Of 2023 Which Makes It Stand Out The Top Of Indian Education System Is The Platform Of Learning Experiences Provided To Students By Numerous Ways. "Ek Bharat Shreshth Bharat" Programme Is One Of Them. It Is An Innovative Measure To Enhance Unity, The Diversity Of Our Nation And Maintain And Strengthen The Ties Of Friendship Existing Bonds Between The People Of Our Country. Students Of Kendriya Vidyalaya Q35 Memaura And Facilitators Worked With Great Dedication To Make It A Success In Our School. I Am Very Glad To Present The "Ek Bharat Shreshth Bharat" Newsletter Of Kendriya Vidyalaya Q35 Memaura. This Newsletter Goes A Step Further To The Talent Of Our Students And Guidance Of Teachers. I Thank All The Top Students For Their Enthusiastic Participation In Various Cultural And Literary Activities Being Conducted In The Vidyalaya And Contribute To The Entire Team Of Teachers For Successfully Achieving The Objectives Of 2023.

Wish You Happy Learning.

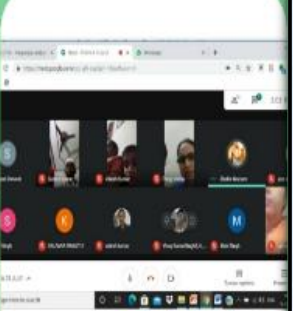
Jai Hind Jai Bharat





LIVE MEETINGS

KV AFS MEMAURA



**ONLINE PTM CLASS V A
13 JULY 2020**



**CCT WORKSHOP
20-22 JULY 2020**



**NEW ADMISSION INTERACTION
AND ONLINE DOCUMENT
VERIFICATION STD V 05/08/20**



**Emotional well being
virtual class V
Students practicing
breathing exercises.**

WASHI
MAHOTSAVA
BY CLASS IX-A
STUDENTS



CELEBRATION OF SAMRASTA DIWAS
KV AFS MEMAURA
LUCKNOW

DATE-14/04/2020

DRAWING /POSTER MAKING COMPETITION





INDEPENDENCE DAY 2020
CELEBRATION
KV AFS MEMAURA



Vaibhavi Mishra V B
FANCY DRESS ACTIVITY



Siddhiksha Samal
FANCY DRESS ACTIVITY
INDEPENDENCE DAY 15-08-2020



Class-2 A&B
Date-08-08-2020
Face Painting

Dance & Music Class

KV AFS MEMLAURA



Dance and music makes you feel alive and happy.

Class-2 A&B
Date-14-08-2020
Grain Art



Mother's Day and Father's Day celebration

CARD MAKING CONTEST



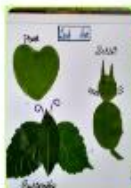
ART & CRAFT ACTIVITIES KV AFS MEMAURA



CLASS 2 A&B
Date-08-07-2020
PUPPET MAKING



Greetings cards are the way to express our feelings.
No love is greater than Mom's love.
No care is greater than Dad's care.



Class-2 A&B
Date-13-07-2020
Natural Art

ACTIVITIES DURING MUSIC PERIOD KV AFS MEMAURA



Music activity
Date- 11/07/2020



Independence day celebration
Date- 15/08/2020



Music activity
Date- 11/07/2020



Janmashtami special activity
Date- 12/08/2020



Class 2 A&B
Date-06/07-2020
Plantation Drive



Class 2 A&B
Date-10/07/2020



KV AFS MEMAURA



Doing Yoga



Class 3 A&B
Date-11/08-2020
Cleanliness Drive



DEAR TEACHERS,
THANK YOU ALL!

DREAM

